वार्तालाप–459, ताडेपल्लिगुडेम, (आं.प्र.) दिनांक–09.12.07,
Disc.CD-459, dtd.9.12.07 at TPGudem (Andhra Pradesh)

समय – 1.10–2.10
जिज्ञासु – धर्म माने क्या अधर्म माने क्या?
बाबा – धर्म माना धारणा अच्छे गुणों की। और अधर्म माना अच्छे गुणों की धारणा नहीं की। जो मनुष्यों ने जो बातें सिखाई जो मनमत चलाई, उनकी धारणा कर ली। तो वो हो गया अधर्म। द्वापरयुग से जो भी मनुष्य मात्र आते है वो कुछ न कुछ सत्य ज्ञान में मिक्स करके सुना देते है। तो अधर्म स्थापना हो जाता है। बाप आ करके सौ परसेंट सत्य बात सुना करके धर्म की धारणा करना सिखाते है।
Time: 1.10-2.10
Student: What is meant by *dharma* and *adharma*?
Baba: *Dharma* means inculcation (*dhaarnaa*) of virtues. And *adharma* means one did not inculcate the virtues. He inculcated the things taught by and the personal opinion given by the human beings. So, that happens to be *adharma*. All the human beings, who come from the Copper Age onwards, narrate by mixing something or the other in the true knowledge. Then *adharma* (irreligiousness) is established. The Father comes and narrates hundred percent truth and teaches the inculcation of *dharma*.

समय – 2.15–7.45
जिज्ञासु – ब्रह्मा का हजार भुजायें है ना बाबा?
बाबा – हां जी।
जिज्ञासु– इसको चलाने के लिये कोई इनस्पिरेशन का भी जरूरत होता है? ब्रह्मा की हजार भुजाओं को चलाने के लिये.....
बाबा– हां जी, हां जी।
जिज्ञासु–..... इनस्पिरेशन पार्टी का जरूरत होती है या खास ज्ञान से चलता है?
Time: 2.15-7.45
Student: Baba, there are thousand arms of Brahma, aren't there?
Baba: Yes.
Student: Is any inspiration also required to operate them? To operate the thousand arms of Brahma.....
Baba: Yes, yes.
Student: ….is the inspiration party required or is it done through special knowledge?

बाबा– ब्रह्मा की हजार भुजायें जो है, वो भुजायें साकार में हैं या आकार, निराकार में है? साकार में है। साकार में हों, और चलाने वाला सर उड़ जाये तो भूत–प्रेत दिखाई देगा या ब्रह्मा देवता दिखाई देगा? जैसे अव्यक्त वाणी में बोला है – हजार भुजायें प्रैक्टिकल में पार्ट बजा रही है सहयोगी बनने का। भल ब्रह्मा ने शरीर छोड़ दिया तो जो ईश्वरीय कार्य है ज्ञान यज्ञ का उसमें बढ़ोतरी हो रही है या घटोतरी हो रही है? बढोतरी हो रही है। तो भुजायें कार्य कर रही हैं ना। बिना तन का सहयोग दिये बिना मन का सहयोग बिना धन का सहयोग दिये, ये ज्ञान यज्ञ तो चलने वाला नहीं है।
Baba: Do the thousand arms of Brahma exist in corporeal form or are they in subtle or incorporeal form? They are in the corporeal form. If the arms are in the corporeal form and if the controlling head vanishes, then will he appear to be a ghost/devil or will he appear to be a deity Brahma? For example, it has been said in an *Avyakta Vani* that the thousand arms are playing the part of becoming cooperative in practical although Brahma left his body. Is the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Godly task of the *gyan yagya* increasing or decreasing? It is increasing. So, the arms are working, aren't they? This *gyan yagya* cannot continue without someone giving the cooperation of body, cooperation of mind, cooperation of wealth.

ऐसे तो दुनिया में बहुत बडी–बडी बिल्डिंगें बनती रहती है। वो बिल्डिंगे बनना, कारखाने बनना अलग बात। वो कोई ज्ञान यज्ञ नहीं है। ये तो ज्ञान यज्ञ है। इस ज्ञान यज्ञ में सहयोग देने वाले बच्चे चाहिये। तो बच्चे भी साकार में है सहयोगी, और उन सहयोगी बच्चों की बुद्धि को चलाने वाला, जो मुख्य पांच भुजायें जिसको दिखाई जाती हैं, पांच मुख ब्रह्मा के दिखाये जाते हैं और विष्णु को चार भुजायें दिखाई जाती है, वो विष्णु बनने वाला भी व्यक्तित्व मुख्य इस सृष्टि पर है। ब्रह्मा की भुजायें हैं तो वो सहयोगी विषेष चार भुजायें भी होंगी। हजार भुजायें तो सामान्य रूप से। और चार भुजायें विशेष रूप से।

Very big buildings continue to be constructed in the world. Construction of those buildings, construction of factories is a different issue. That is not *gyan yagya*. This is the *gyan yagya*. Helper children are required in this *gyan yagya*. So, the helper children also exist in corporeal. And the one who controls the intellect of those helper children, who is shown to have main five arms; Brahma is shown to have five heads and Vishnu is shown to have four arms; that personality who becomes Vishnu is also present in this world. When there are the arms of Brahma, then there will be four special helper arms as well. Thousand arms are in an ordinary way and four arms are in a special way.

तो चार आत्मायें निमित्त बनी हुई हैं। सरस्वती, ब्रह्मा, पार्वती और जगदम्बा। ये चारों आत्मायें हैं। और इनको चलाने वाला भी कोई है। इनकी बुद्धि को घुमाने वाला भी कोई है। जब चारों की बुद्धि पूरी घूम जाती है, तो ब्रह्मा सो विष्णु बन जाता है। ऐसे नहीं कि ब्रह्मा–सरस्वती इनस्पिरेटिंग पार्टी में है। वो ही सिर्फ भुजायें है। नहीं, सरस्वती छोटी मां है। ब्रह्मा ने बड़ी मां का पार्ट बजाया। लेकिन वो तो शरीर छोड़ गये। सूक्ष्म शरीर धारण कर लिया, इनस्पिरेटिंग पार्टी में भले चले गये। लेकिन वो भी प्रक्टिकल पार्ट तब बजाए सकते है जब कोई में प्रवेश करें।

So, four souls are instrumental - Saraswati, Brahma, Parvati and Jagdamba. These are the four souls. And there is also someone who controls them. There is also someone who turns their intellect. When the intellect of all the four turns completely, then Brahma becomes Vishnu. It is not as if Brahma, Saraswati are in the inspiriting party. Only they are the arms. No, Saraswati is the junior mother (*coti maa*). Brahma played the part of the senior mother (*badee maa*). But he left his body. He assumed a subtle body. Although he became a part of the inspiriting party he too can play a practical part only when he enters someone.

तो छोटी मां छोटी मां में प्रवेश करती है। और बड़ा बाप? बाप में प्रवेश करता है। और? विष्णु का चित्र बनाते है, तो विष्णु का चित्र क्या झूठी यादगार बना दी है क्या? प्रैक्टिकल में कार्य किया होगा तब तो यादगार बनी हुई है चित्रों की। कोई लेफटिस्ट भुजायें है कोई राइटिस्ट भुजायें है। कोई ऊंची स्टेज का पार्ट बजाती है, कोई नीची स्टेज का पार्ट बजाती है। विष्णु की भुजायें तो हैं ना। एक जैसी भुजायें पार्ट बजाने वाली हैं या अलग–अलग प्रकार का पार्ट बजाने वाली हैं? अलग–अलग प्रकार का पार्ट है।

So, the junior mother (Saraswati) enters the junior mother (head of vijaymala) and the senior mother enters the senior mother. And what about the senior father? He enters the father. What else? Vishnu's picture is prepared. So, is the picture of Vishnu a false memorial? They must have performed some tasks in practical, only then are the memorials available in the form of pictures. Some are leftist arms, some are righteous arms. Some play the part of a high stage and some play the part of a low stage. They are the arms of Vishnu, are they not? Do

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

the arms play similar part or do they play different types of parts? They play different types of parts.

समय – 7.50–10.33
जिज्ञासु – एक मुरली में आता है ना, बाबा का अंदर का प्यार और बाहर का प्यार में भारी अंतर है।
बाबा– भारी अंतर है?
जिज्ञासु– रात–दिन का फर्क है।
बाबा– बाप के पास बाप के अंदर के प्यार की और बाहर के प्यार की बड़ी भारी युक्ति है।
Time: 7.50-10.33
Student: It is mentioned in a Murli that there is a great difference between the inner and outer love of Baba (for His children), isn't it?
Baba: Is there a great difference?
Student: There is a difference of day and night (i.e. a world of difference).
Baba: There is a very big tact involved in the inner love and the outer love of the Father (for His children).

जिज्ञासु– तो अंदर का प्यार होगा जिसके साथ वो उनका निशानी क्या होगा?
बाबा– जिनके साथ अंदर का प्यार होगा उनको बहुत खुशी होगी। क्या? भले प्यार बाहर से दिखाई नहीं पड़ता है। तो भी अंदर से उनको खुशी का पारावार नहीं होगा। और?
Student: So, what will be the indication of the one for whom He has an inner love?
Baba: The ones, for whom He has inner love, will feel very joyful. What? Although the love is not visible outwardly, even so there will not be a limit to their inner joy. Anything else?

जैसे मुरलियों में बोला इन सितारों में सबसे जास्ती खातरी किसकी होती है? हैं? कुमारका की। तो कुमारका की जो खातरी होती थी और अब तक भी खातरी होती रही वो खातरी सबने देखी या नहीं देखी? हैं? सबने इस बात को जाना या नहीं जाना? और अभी सूक्ष्मवतन से जो समाचार आते हैं, संदेशियों के द्वारा उनमें दादी के लिये विशेष मान मर्तबा देखने में आता है या नहीं आता है? आता है लेकिन जब उनका पार्ट डिक्लेयर होगा क्या पार्ट डिक्लेयर होगा? क्या पार्ट डिक्लेयर होगा? माया बेटी। और उनके फालोअर्स जब ये जानेंगे कि अरे ये तो माया बेटी का पार्ट निकला। इन्होने हमको बड़े से बड़ी प्राप्ति से वंचित कर दिया। तो अन्दर का प्यार हुआ या बाहर का प्यार हुआ? ये कौनसा प्यार कहेंगे? है? (किसी ने कुछ कहा) बाहर का प्यार हुआ। और?
For example, it has been asked in the Murlis: who is given the maximum care/importance among all these stars? Hm? Kumarka. So, the importance that Kumarka used to receive and the importance that she continued to receive up until now , did everyone see it or not? Hm? Did everyone come to know of it or not? And is there special respect and position for Dadi in the messages that are received through the *Sandeshis* (trance messengers) or not? It is there, but when her part is declared; her part will be declared as what? Her part will be declared as what? The daughter Maya. And when her followers come to know: Arey, her part turned out to be the part of daughter Maya. She deprived us of the biggest attainment. So, is it an inner love or an outer love? Which love will it be called? Hm? (Someone said something) It is an outer love. Anything else?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय – 15.00–25.59
बाबा– प्रश्न आया है –इस्लामी पहले मरेंगे। मुरली में बोला है।
दुनिया में विनाश सामने खड़ा हुआ है। एटमिक एनर्जी बनी पड़ी है। इस्लामी देशों में एटमिक एनर्जी का भंडार है या किश्चियनस् में है? एटमिक एनर्जी का भंडार इस्लामियों के देश में है या किश्चियन के देश में है? बड़ा भंडार किधर है? ईजाद करने वाले कहां हैं? मुसलमानों ने तो ईजाद नहीं किया। एटमिक एनर्जी की इजाद किश्चियन्स ने की। और उन्हीं के देशों मे रशिया और अमेरिका में भंडार भरे पड़े हैं। और दुनिया का विनाश काहे से होगा? हैं? अरे सबसे ज्यादा आज दुनिया में जो झगडा चल रहा है वो कौनसे देशों में चल रहा है? अरे हिस्ट्री बता रही है और जो झगड़े हो रहे हैं और जो झगड़ों में पहले मर रहे हैं वो कौन से धर्म के लोग मर रहे हैं? इस्लामी ही मर रहे हैं।
Time: 15.00-25.59
Baba: A (written) question has been given. (The question is) It was said in the Murli that the Islamic people will die first.
The destruction is staring at the world. The atomic energy is ready. Do the Islamic countries have the stockpile of atomic energy or do the Christians have it? Do the Islamic countries have the stockpile of atomic energy or do the Christians have the stockpile? On which side is there a bigger stockpile? Where are the inventors? The Muslims did not invent it. The Christians invented the atomic energy. And in their (Christian) countries i.e. Russia and America the stockpiles (of atomic weapons) are there. And what will cause the destruction of the world? Hm? Arey, which countries are fighting the most in today's world? Arey, the history is telling us, the disputes that are taking place, and the people who are dying first in these fights belong to which religion? It is the Islamic people who are dying.

ये तो दुनिया की बात हुई। अब ब्राह्मणों की दुनिया की बात। ब्राह्मणों की दुनिया में स्थूल बाम्ब है या ज्ञान के बाम्ब है? ज्ञान के बाम्ब है। जो इस्लाम धर्म में कन्वर्ट होने वाली पक्की आत्मायें है, उनका न तो इन बाम्ब से कोई कनेक्शन है न वो समझेंगी। लेकिन जो बीजरूप आत्मायें है। क्या? इस्लाम धर्म की जो बीजरूप आत्मायें हैं, बीजरूप आत्माओं के कम जन्म होते हैं या पूरे 84 जन्म होते हैं? पूरे 84 जन्म होते हैं। तो जो भी इस्लाम धर्म की आत्मायें हैं वो दूसरे धर्म के बीच में सबसे ज्यादा पावरफुल हैं। और–और जो धर्म हैं, बौद्धी धर्म, किश्चियन धर्म, मुस्लिम धर्म, सन्यास धर्म, उन सबमें पुरानी कौन है? इस्लाम धर्म के।
This is about the (outside) world. Now let us consider the world of Brahmins. In the world of Brahmins, are there physical bombs or are there bombs of knowledge? There are bombs of knowledge. The souls which firmly convert to Islam do not have any connection with these bombs and they won't understand it either. But the seed-form souls; what? The seed-form souls of Islam; do the seed souls take fewer births or do they take complete 84 births? They take complete 84 births. So, the souls belonging to Islam are the most powerful ones among other religions. Which is the oldest among all the other religions that exist (namely) - Buddhism, Christianity, the Muslim religion, the Sanyas religion? Those belonging to Islam.

वो जिस कम से आये है उसी कम से वापस जावेंगे या आगे–पीछे हो जायेगा? हैं? जिस कम से आये हैं उसी कम से वापस जायेंगे। तो दूसरे–दूसरे धर्मो के बीच में कौन–से धर्म वाले सबसे पहले वापस जाने वाले बनेंगे? इस्लामी। माने जो इस्लाम धर्म की बीजरूप आत्मायें है, वो पहले ज्ञान को मान लेंगी, झुक जायेंगी और मर जायेंगी, अपने को मार देंगी, भले ज्ञान को पूरा न समझे। आज की दुनिया में भी देखा जाये आत्मघाती बाम्ब ले करके कौनसे धर्म के लोग स्वाहा कर देते हैं अपने को? हैं? इस्लाम धर्म के लोग ही है जो बाम्ब गले में बांधते है और अपन को स्वाहा कर देते है। बहुत उनमें शक्ति है, हिम्मत है। तो

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

हिम्मते बच्चे मददे बाप। भले वो बुद्धि से इन ज्ञान की बातों को पूरा समझेंगे नहीं। लेकिन माहौल को देख करके ये समझ जायेंगे कि खुदा इस सृष्टि पर आ गया। और अपने को स्वाहा कर देंगे। मुसलमानों और इस्लामियों की मुखिया आत्मा कौन है? वो अपने को पहले–पहले स्वाहा कर सकती है, तो उसको फालो करने वाले पहले–पहले नहीं मरेंगे?
Will they return in the (serial) order in which they came (from the soul world) or will there be any change in that order? Hm? Whosoever has come in whichever (serial) order, he will return in the same serial order. So, the souls belonging to which religion will return first among all other religions? The souls of Islam. It means that those who are the seed-form souls of Islam will accept knowledge first, they will bow and die; they will kill themselves. It does not matter that they do not understand the knowledge completely. Even in today's world, it can be observed: people of which religion sacrifice themselves with the help of suicide bombs? Hm? It is the people belonging to Islam, who tie a bomb around their neck and sacrifice themselves. They have a lot of power, courage. So, the children who display courage receive help from the Father. Although they will not understand the issues of knowledge through the intellect completely. But, after observing the atmosphere, they will understand that God has come in this world. And they will sacrifice themselves. Who is the chief of the Muslims and the people of Islam? When she can sacrifice herself first of all, then will her followers not die first of all?

पहले सरेंडर कौन होगी? हैं? माया पहले सरेंड़र होगी। उसमें इतनी हिम्मत है। क्या? माया भी सर्वशक्तिवान है। भल माया में बाप प्रवेश नहीं करता। माया बेटी में प्रवेश करता है क्या? रावण प्रवेश करता है। लेकिन माया भी सर्वशक्तिवान है। तो हिम्मत करती है तभी सर्वशक्तिवान है या बिना हिम्मत के? हिम्मत है। जितनी हिम्मत करेंगे उतनी मदद बाप से मिलेगी। तो कितनी हिम्मत करती है? अभी शरीर छोड़ दिया है तो भी हिम्मत में लगी हुई हैं। बाप कहते है हिम्मते बच्चे तो मददे बाप। तो माया बच्ची के जो पुंगरे होंगे, माया के जो औलाद होंगे पहलौटी के, वो कम पावरफुल होंगे क्या? हैं? इसलिये बोला विदेशी पहले मरते हैं, स्वाहा होते हैं, सरेंन्डर होते है या स्वदेशी पहले सरेन्डर होते हैं? फौरन कौन होते हैं? फारेनर माना फौरन। सिर्फ उनको निश्चय बैठना चाहिये।
Who will surrender first of all? Hm? Maya will surrender first. She has that courage. What? Even Maya is almighty. Although the Father does not enter Maya. Does He enter the daughter Maya? Ravan enters her. But even Maya is almighty. So, is she almighty because of displaying courage or is she almighty without (displaying any) courage? She is courageous. The more you display courage, the more you will receive help from the Father. So, how much courage does she show? Although she has left her body, she is showing her courage. The Father says, when children show courage, the Father extends help to them. So, will the children of Maya, the first children of Maya be any less powerful? Hm? That is why it has been asked do the foreigners (*videshi*) die first, sacrifice themselves first, surrender first or do the *swadeshis* surrender first? Who surrenders immediately (*fauran*)? A foreigner means *fauran* (immediately). They just require to become certain.

तो फारेनर्स में पहला–पहला नंम्बर है माया का। और माया को फालो करने वाले जो भी बच्चे हैं उनका पहला नंम्बर है। वो पहले–पहले रूहानी मिलेट्री में भर्ती हो जावेंगे। इसलिये विधर्मियों के बीच में कौन–सा ऐसा धर्म है जिसने लम्बे से लम्बे समय तक राजाई भोगी है? ये तो किश्चियन अभी 100–200 वर्ष के अंदर दुनिया में फैले हैं और इनकी राजाई चली है। बाप के दो ही तो बच्चे हैं जो सर्वशक्तिवान का टाइटल लेते हैं। एक माया बेटी और दूसरा? हैं? अरे जिसमें बाप प्रवेश करते हैं। एक बेटा और एक? एक बेटी। बेटा भी सर्वशक्तिवान

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाप की सर्वशक्तिवान औलाद बनता है और बेटी भी मास्टर सर्वशक्तिवान का टाइटिल लेती है। तो अलग–अलग बातें नहीं है। बाप तो एक ही बात कहते है, दो बातें नहीं कहते।
So, among the foreigners, the first number is of Maya. And the children who follow Maya are at the first number. They will join the spiritual military first. That is why, among the *vidharmis*, which religion has enjoyed kingship for the longest period? These Christians have spread in the world within the last 100-200 years and their kingship has prevailed. There are only two children of the Father who receive the title of almighty. One is the daughter Maya and the second one? Hm? Arey, the one in whom the Father enters. One is the son and the other? (The other) one is daughter. The son becomes the Master Almighty child of the Almighty Father and the daughter also obtains the title of Master Almighty. So, these are not two different things. The Father speaks only one thing; He does not indulge in double-speak.

प्रश्न में कहा गया है मुरली में कहा है इस्लामी पहले मरेंगे। एक तरफ कहते है कि इस्लाम धर्म वाले शूटिंग पीरियड़ में पूरी तरह देहभान को खतम नहीं करते। इसलिये उनके धर्म में देह को दफनाया जाता है। देह को मिट्टी में गाड़ देते हैं। जलाते नहीं हैं। हिन्दू धर्म वाले जलाय देते हैं। फिर दूसरी तरफ शूटिंग पीरियड़ में इस्लामी सूर्यवंशियों से भी पहले कैसे मरेंगे?
माने जो ठेठ पक्के इस्लामी हैं वो नहीं मरेंगे। कौन मरेंगे? कौन–से इस्लामी पहले मरेंगे? है? जो बीजरूप दुनिया के 84 जन्म लेने वाले इस्लामी हैं वो पहले मरेंगे। जो पक्के भारतवासी हैं वो बाद में मरेंगे। हम मरेंगे मुसलमानों के साथ। और इस्लामी पहले मरेंगे। और?
It is mentioned in the question, it has been said in the Murli that people of Islam will die first. On the one side it is said that people belonging to Islam do not finish their body consciousness completely during the shooting period. That is why, in their religion, dead bodies are buried. The dead bodies are buried in the soil. They are not cremated. The people belonging to Hinduism cremate. Then on the other hand, how will the Islamic souls die before the *Suryavanshis* during the shooting period?
It means, those who are the real Islamis; they will not die. Who will die? Which Islamic people will die first? Hm? The Islamic people belonging to the seed-form world, who take 84 births, will die first. Those who are firm *Bharatwasis* will die later on. We will die with the Muslims. And Islamic people will die first. Anything else?

बिना समझे कोई मर जाये और एक समझ बूझ करके मरे, ज्यादा फायदे में कौन रहेगा? हैं? (किसी ने कुछ कहा) काशी कवट खाते हैं। शिव के उपर अर्पण हो जाते हैं वो भी तो अर्पण होते है ना। वो शिव के उपर ही अर्पण होते हैं ना। और यहां संगमयुग में भी शिव के उपर अर्पण होते है उनके भी पूर्व जन्मों के पाप कर्म भस्म हो जाते है। और यहां भी पूर्व जन्मों के पाप कर्म भस्म होते है। फिर अंतर क्या पड़ता है? वो वहां काशी करवट खाते हैं, उनके पूर्व जन्मों के पाप कर्म भस्म हो जाते हैं। फिर दुबारा जन्म लेके तेजी से पाप करने लग पड़ते है और यहां ज्ञान बुद्धि में बैठ जाता है। इसलिये दुबारा पाप कर्म करने की ऐसी गुंजाइश नहीं रहती क्योंकि बुद्धि में बात बैठ जाती है। वो बेसमझी से काम करने में और समझपूर्वक काम करने में बहुत अंतर पड़ जाता है। भले काम एक ही किया दोनों ने।
If someone dies ignorantly and if someone dies deliberately after understanding, who reaps more benefit? Hm? (Someone said something) People practice '*Kashi Karvat'* (a medieval age tradition of burning the past sins by choosing to die by jumping into a dry well with a huge sword placed at its base). They sacrifice themselves on Shiv. They too sacrifice themselves, don't they? They sacrifice themselves only on Shiv, don't they? And here, even in the Confluence Age, those who sacrifice themselves on Shiv, their sins of the past births

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

are also burnt. And even here the sins of the past births are burnt. Then what is the difference? There, when they practice '*Kashi Karvat'*, their sins of the past births are burnt. They take rebirth and start committing sins at a faster pace. And here the knowledge fits into the intellect. That is why there is no scope for committing sins again because the knowledge fits into the intellect. There is a lot of difference between performing a task ignorantly and performing a task consciously, although both of them have performed the same task.

नेल्लोर, (आं.प्र.) ताः 6.12.07
Nellore, (Andhra Pradesh) Dt. 6.12.07

समय – 1.32–3.44
जिज्ञासु – बाबा इसके पहले मुरली और अव्यक्त वाणी को श्रीमत कहते थे। अभी तो संदेष को भी श्रीमत कहने लगे।
बाबा – संदेष श्रीमत तब बने जब उसमें से कुछ रिजल्ट निकले, कुछ व्याख्या निकले जो मुरलियों से मिलती–जुलती हो। जैसे संदेष में आया कि मम्मा को नेपाल में जन्म लेना है। तो स्थूल रूप में नेपाल में स्थूल जन्म तो लेना नहीं था। ये तो बेहद की बात थी कि नई दुनिया की पालना करने वालों का जो स्थान था उसमें मम्मा अपना कार्य कर रही है।

Time: 1.32-3.44

Student: Baba, earlier we called *Murlis* and *Avyakta Vanis* as *Shrimat*. Now they have started to call even *sandesh* (trance messages) as Shrimat.

Baba: *Sandesh* will become *Shrimat* when some result emerges from it, some clarification emerges from it, which is similar to the *Murlis*. For example, it was mentioned in a *Sandesh* that Mamma is going to take birth in Nepal. So, she was not going to take the physical birth in Nepal. It was in an unlimited sense that Mamma is doing her work amidst those who sustain the new world.

एक संदेश में आया मम्मा लंदन में सेवा कर रही है। अब विदेश में जाकर मम्मा का जन्म क्यों होगा? लंदन का अर्थ ही बताया लेन–देन करने वालों का स्थान। जो ज्ञान का बहुत लेन–देन करते है। बेसिक पार्टी ज्ञान का लेन–देन ज्यादा करती है या एड़वांस पार्टी ज्ञान का लेन देन ज्यादा करती है? एड़वांस पार्टी में कोई आत्मायें है जिनमें मम्मा प्रवेश हो करके अपना पार्ट बजाती है। फिर आया मम्मा दिल्ली में सेवा कर रही है। मम्मा का सेवा स्थान दिल्ली है। तीन बातें हो गई। तीनों बातें थोड़े ही साबित होती है। ये तो मम्मा की ही आत्मा है जो नौ देवियों के रूप में कार्य करती है। कभी कहां, कभी किसमें, कभी क्या पार्ट बजाती है। देवी एक ही है। रूप नौ है।

It was mentioned in a *sandesh* (trance message) that Mamma is doing service in London. Well, why will Mamma take birth in a foreign country? It has been mentioned that 'London' means a place of those who give and take (*len-den*) something, those who exchange knowledge a lot. Does the basic party exchange more knowledge or does the advance party exchange more knowledge? There are some souls in the advance party, in whom Mamma enters and plays her part. Then it was mentioned that Mamma is serving in Delhi. Mamma's place of service is Delhi. So, there are three versions. Three versions are not proved (together). It is the soul of Mamma which works in the form of nine *devis* (female deities). Sometimes somewhere and sometimes in someone, sometimes she plays some other role. The *Devi* is just one. The forms are nine.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय – 3.45–6.15
जिज्ञासु – इनस्पिरेटिंग पार्टी वाले कैसे प्रवेश करते है पार्ट बजाने के लिये?
बाबा – इनस्पिरेटिंग पार्टी माना जो आत्मायें शरीर छोड़ती जा रही हैं, जिनको अभी नया शरीर नहीं मिलना है। वो प्रवेश करके इनस्पिरेट करती है, एड़वांस पार्टी के बच्चों को, चाहे वो प्रैक्टिकल पार्टी के बच्चे हों, और चाहे वो प्लानिंग पार्टी के बच्चे हों। इनस्पिरेट करनेवाले माना मालिक बच्चे। जैसे कोई मकान का मालिक होता है, वो इंजीनियर को, नक्शा बनानेवाले इंजीनियर को, सुपरवाइजर को और मजदूरों को उमंग उत्साह देता है, काम करवाता है। ऐसे ही । इनस्पिरेट करना माना उमंग उत्साह देना।
Time: 3.45-6.15
Student: How do the souls of the inspiriting party enter to play their part?
Baba: An inspiriting party means the souls which are leaving their bodies, those who are not going to obtain a new body now. They enter the children of the advance party and inspirit them, whether they are the children belonging to the practical party or the children belonging to the planning party. 'Those who inspirit' means 'the masters'. For example if there is an owner of a house; he gives zeal and enthusiasm to the engineers, the engineers who prepare the map, the supervisors and the labourers and gets the work done (through them). Similarly, 'to inspirate' means 'to give zeal and enthusiasm'.

समय – 6.20–6.50
जिज्ञासु – बाबाजी जो ज्ञान में आने के बाद शरीर छोड़ते हैं ना वो जन्म–जन्मांतर भूत प्रेत बनते हैं, माना हरेक जन्म में?
बाबा – ऐसे थोड़े ही कि ज्ञान में आने के बाद जो शरीर छोड़ते हैं वो जन्म–जन्मांतर भूत प्रेत बनते हैं।
जिज्ञासु – माना जैसे ब्रह्मा।
बाबा – ज्ञान में आने के बाद शरीर भी छोड़ने के तरीके होते है। कोई अचानक मौत में शरीर छोड़ते है। उनको सूक्ष्म शरीर धारण करना पड़ेगा। बाकी जो सामान्य मौत शरीर छोड़ते है उनको थोडी भूत–प्रेत बनना पड़ता है।
Time: 6.20-6.50
Student: Babaji, do those who leave their bodies after entering the path of knowledge become ghosts or devils for many births, i.e. in every birth?
Baba: It is not so that those who leave their bodies after entering the path of knowledge become ghosts or devils for many births.
Student: I mean to say, like Brahma…..
Baba: There are many ways of leaving the body after entering the path of knowledge. Some leave their body suddenly. They will have to take up a subtle body. As regards those who leave their bodies due to a normal death are not required to become ghosts or devils.

समय – 6.52–8.00
जिज्ञासु – बाबा दृष्टि देते समय में हम आत्मिक स्थिति में रहते हैं। तब आत्मिक स्टेज में बाप से कनेक्शन करते हैं। बाबा सुख देते हैं, शांति देते है, ऐसे सोचते रहना है या साइलेंट में रहना है?
बाबा –अगर नहीं सोचेंगे (कि) बाबा सुख देते हैं शांति देते हैं तो नहीं मिलेगी? हैं? (जिज्ञासु ने कुछ कहा) सुख और शान्ति तो उतनी ही मिलेगी जितनी हम एकाग्रता रखेंगे, बाबा की याद की। कभी क्या होता है कि दृष्टि लेते रहते हैं, आँख खुली रहती

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

है और बुद्धि दूसरी जगह चली जाती है दुनिया में। तो सुख शांति थोडे ही मिलती है। और दृष्टि लेने–देने से सुख शांति नहीं मिलती। अपनी बुद्धि की एकाग्रता से मिलती है।

Time: 6.52-8.00

Student: Baba, we remain in a soul conscious stage when Baba is giving *drishti*. We establish connection with the Father in a soul conscious stage. At that time should we think that Baba is giving us happiness, peace or should we remain silent (i.e. thoughtless)?

Baba: If you do not think that Baba is giving happiness, peace, will you not receive it? Hm? (Student said something) We will obtain happiness and peace only to the extent we remain concentrated in Baba's remembrance. Sometimes what happens is that we keep taking *drishti*, the eyes remain open and the intellect is diverted to somewhere else in the world. Then, do we obtain happiness and peace? And we do not obtain happiness and peace by the exchange of *drishti*. It is received through the concentration of our intellect.

समय – 8.10–9.10

जिज्ञासु – बाबाजी जब तक पहला पत्ता नष्टोमोहा न बने तब तक कोई नष्टोमोहा नहीं बन जाता। तो कैसे पता चलेगा ब्राह्मणों की दुनिया को?

बाबा – प्रवेष कर रहा है ना। जो पहला पत्ता है वो प्रवेष कर रहा है ना। (किसी ने कहा – हां) तो जिसमें प्रवेष कर रहा है उसके द्वारा ही पता लगेगा। बाप बच्चे के बगैर प्रत्यक्ष हो जावेंगे क्या? बाप और बच्चे का जन्म इकट्ठा है। जन्म माने प्रत्यक्षता। बाप अपने को प्रत्यक्ष नहीं करते। बाप पहले किसको प्रत्यक्ष करते है? बच्चों को प्रत्यक्ष करते हैं। तो बच्चों में पहला बच्चा है कृष्ण बच्चा।

Time: 8.10-9.10

Student: Babaji, (it has been said that) until the first leaf becomes detached, nobody can become detached. So, how will the world of Brahmins come to know?

Baba: He is entering (the Father), isn't he? The one who is the first leaf is entering (the Father), isn't he? (Someone said, yes) So, we will come to know only through the one in whom he is entering. Will the Father be revealed without the son? The Father and the son take birth together. The birth means the revelation. The Father does not reveal Himself. Whom does the Father reveal first? He reveals the children. So, the first child among the children is the child Krishna.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info